International Journal of Social Science and Education Research

ISSN Print: 2664-9845
ISSN Online: 2664-9853
Impact Factor: RJIF 8.15
IJSSER 2024; 6(2): 457-462
www.socialsciencejournals.net
Received: 10-10-2024
Accepted: 15-11-2024

डॉ0 राजेश कुमार पाण्डेय
प्रोफेसर, के0पी0 ट्रेनिंग कालेज,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय
इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत

Corresponding Author:
डॉ0 राजेश कुमार पाण्डेय
प्रोफेसर, के0पी0 ट्रेनिंग कालेज,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय
इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत

अधिगम शैली के संदर्भ में जनजातीय विद्यार्थियों के मूल्यों का अध्ययन

डॉ0 राजेश कुमार पाण्डेय

DOI: https://doi.org/10.33545/26649845.2024.v6.i2f.241

सारांश
प्रस्तुत अध्ययन में यह ज्ञात करने का प्रयत्न किया गया है कि क्या भिन्न अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के मूल्यों में अन्तर होता है। अधिगम शैली व्यवहार का एक प्रतिमान होता है, जिसका प्रयोग व्यक्ति नई चीज सीखने के लिए करता है। अध्ययन में प्रयुक्त अधिगम शैली सूची में सात अधिगम शैलियों का मापन नौ कथनों द्वारा किया गया है। प्रत्येक कथन द्वि–ध्रुवीय है। संबन्धित अधिगम शैली के प्रति विद्यार्थी की वरीयता अधिगम शैली पर प्राप्त कुल प्राप्तांक के आधार पर की गयी है। अधिगम शैली की दृष्टि से भिन्न समूहों वाले जनजातीय विद्यार्थियों के विभिन्न मूल्यों पर प्राप्त अंकों के मध्यमानों की तुलना हेतु टी–अनुपात की गणना की गयी। गैर लचीली अधिगम शैली की तुलना में लचीली अधिगम शैली को वरीयता देने वाले जनजातीय विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक, आर्थिक एवं सुखात्मक मूल्य अधिक होते हैं। अवैयक्तिक अधिगम शैली के स्थान पर वैयक्तिक अधिगम शैली को प्रमुखता देने वाले जनजातीय विद्यार्थियों में सुखात्मक, प्रभुत्व व स्वास्थ्य मूल्य अधिक होते हैं जबकि सौन्दर्यात्मक मूल्य कम होते हैं। अन्य मूल्यों के संबन्ध में अन्तर सार्थक नहीं पाया गया। दृश्य अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों में श्रव्य अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों की अपेक्षा लोकतांत्रिक मूल्य अधिक होते हैं जबकि श्रव्य अधिगम शैली अपनाने वाले जनजातीय विद्यार्थियों में ज्ञानात्मक मूल्य अधिक होता है। अन्य मूल्यों के मध्य अन्तर सार्थक नहीं पाया गया। क्षेत्र आश्रित अधिगम शैली की अपेक्षा क्षेत्र अनाश्रित अधिगम शैली को वरीयता देने वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक व सामाजिक मूल्य अधिक होते हैं। इसके विपरीत क्षेत्र आश्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों में सुखात्मक, प्रभुत्व एवं पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य अधिक होते हैं। दीर्घ अवधान अधिगम शैली की तुलना में लघु अवधान अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों में सामाजिक एवं ज्ञानात्मक मूल्य अधिक पाये जाते हैं जबकि दीर्घ अवधान अधिगम शैली वाले विद्यार्थियों में स्वास्थ्य मूल्य अधिक होते हैं अन्य मूल्यों के संबन्ध में दोनो समूहों में भिन्नता नहीं है। अभिप्रेरणा केन्द्रित अधिगम शैली अपनाने वाले जनजातीय विद्यार्थियों के लोकतांत्रिक व सुखात्मक मूल्य अधिक होते हैं। इसके विपरीत अभिप्रेरणा अकेन्द्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों में सामाजिक, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अधिक होते हैं। सीखने की परिवेश उन्मुख शैली वाले विद्यार्थियों में परिवेश स्वतंत्र अधिगम शैली वाले विद्यार्थियों की अपेक्षा पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य अधिक होते हैं जबकि परिवेश स्वतंत्र अधिगम शैली को वरीयता देने वाले जनजातीय विद्यार्थियों में सौन्दर्यात्मक मूल्य अधिक होते हैं। अन्य मूल्यों के संबन्ध में दोनो समूह भिन्न नहीं हैं।

कूटशब्दः अधिगम शैली, मूल्य, जनजातीय विद्यार्थी आदि।

प्रस्तावना
सीखना अथवा अधिगम जीवन पर्यन्त चलने वाली एक सतत् प्रक्रिया है। व्यक्ति सदैव कुछ न कुछ सीखता रहता है। प्रत्येक व्यक्ति का किसी कार्य को करने और सीखने का अपना एक विशिष्ट तरीका अथवा शैली होती है जो उसके लिए अनुकूल व सुविधाजनक होता है, इसे ही अधिगम शैली कहते हैं। कक्षा में छात्रों के मध्य अधिगम शैलियों में भिन्नता दिखायी देती है। वस्तुतः अधिगम शैलियाँ विद्यार्थियों द्वारा किसी पाठ्यवस्तु को सीखने का अपनी रुचि का तरीका अथवा वरीयताएं होती हैं। अधिगम की विभिन्न शैलियाँ होती हैं। अग्रवाल (1987) ने अपने अध्ययन में सात अधिगम शैलियों–लचीली बनाम गैर लचीली, वैयक्तिक बनाम अवैयक्तिक, दृश्य बनाम श्रव्य, क्षेत्र आश्रित बनाम क्षेत्र अनाश्रित, लघु अवधान बनाम दीर्घ अवधान, अभिप्रेरणा केन्द्रित बनाम अभिप्रेरणा अकेन्द्रित व परिवेश उन्मुख बनाम परिवेश स्वतन्त्र अधिगम शैली का प्रयोग किया है। किसी छात्र के लिए वही अधिगम शैली अच्छी होगी जो उसके लिए सुविधाजनक व अनुकूल होगी। लेसा (1981) ने अमेरिकन समोआ कम्यूनिटी कालेज के 66 विद्यार्थियों के अधिगम शैली का अध्ययन किया। परिणाम में उपलब्धि व अधिगम शैली के मध्य कोई सहसंबन्ध नहीं पाया गया। जेकब (1980) ने क्षेत्र आश्रित व क्षेत्र अनाश्रित अधिगम शैली वाले विद्यार्थियों के सामाजिक व्यवहार का अध्ययन किया। दोनों प्रकार

के अधिगम शैली वाले छात्र सामाजिक व्यवहार में भिन्न पाये गये। स्टेवार्ट (1979) ने प्रतिभाशाली एवं सामान्य विद्यार्थियों की अधिगम शैली का अध्ययन किया। प्रतिभाशाली एवं सामान्य विद्यार्थी (व्याख्यान, स्वतंत्र अध्ययन, वाद–विवाद व प्रोजेक्ट) अधिगम शैली में भिन्न थे। अधिगम के द्वारा व्यक्ति के व्यवहार में परिवर्तन आता है तथा उसके अनुभवों में निरन्तर अभिवृद्धि होती रहती है। सीखने की इस प्रक्रिया में वह ऐसे अनुभव भी प्राप्त करता है जो उसके व्यवहार को निर्देशित करते हैं, इन्हें मूल्य कहा जा सकता है। (पाण्डेय व मिश्रा, 2005)। मूल्यों का व्यक्ति के व्यक्तित्व एवं कार्यों पर स्पष्ट प्रभाव पड़ता है। मूल्यों के द्वारा व्यक्ति के चारित्रिक विकास के साथ समाज के उन्नयन का भी कार्य किया जाता है (पाण्डेय, 2005)। शिक्षा के द्वारा हम सुविधाहीन जनजातीय समाज के बच्चों को उनकी संस्कृति से विलग किए बिना उनके मूल्यों का अधिकतम समन्वित विकास करने का प्रयत्न करते हैं। जनजातीय विद्यार्थियों के मूल्यों के विकास को उनकी अधिगम शैलियाँ प्रभावित कर सकती हैं। संभव है कि जनजातीय विद्यार्थियों की वरीय अधिगम शैलियाँ उनके मूल्यों को प्रभावित करें। प्रस्तुत अध्ययन भिन्न अधिगम शैलियों वाले जनजातीय विद्यार्थियों के मूल्यों में अन्तर ज्ञात करने हेतु किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य भिन्न अधिगम शैलियों वाले जनजातीय विद्यार्थियों के मूल्यों का अध्ययन करना है।

परिकल्पना

भिन्न अधिगम शैलियों वाले जनजातीय विद्यार्थियों के मूल्यों में कोई अन्तर नहीं होता है।

अध्ययन विधि

- **न्यादर्श–**न्यादर्श के रूप में चित्रकूट जनपद के मऊ एवं मानिकपुर विकासखण्ड के पूर्वमाध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 6, 7 व 8 के 300 जनजातीय विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।
- **उपकरण–**प्रदत्त संकलन हेतु एस. सी. अग्रवाल द्वारा निर्मित अधिगम शैली सूची तथा शेरी व वर्मा द्वारा निर्मित व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली प्रयुक्त की गयी है।
- **प्रदत्त संकलन व विश्लेषण** : सर्वप्रथम अध्ययन में सम्मिलित चरों से संबन्धित प्रदत्तों का संकलन किया गया। प्रयुक्त अधिगम शैली सूची में सात अधिगम शैलियों का मापन नौ कथनों द्वारा किया जाता है। सभी कथन द्वि–ध्रुवीय हैं। प्रत्येक अधिगम शैली पर अधिकतम प्राप्तांक 9 व न्यूनतम 0 (शून्य) संभव है। संबन्धित अधिगम शैली के प्रति विद्यार्थी की पसंद या वरीयता उस अधिगम शैली पर प्राप्त कुल प्राप्तांक के आधार पर निर्धारित की गयी है। अधिगम शैली की दृष्टि से भिन्न समूहों वाले जनजातीय विद्यार्थियों के विभिन्न मूल्यों पर प्राप्त अंकों के मध्यमानों की तुलना हेतु टी–अनुपात की गणना की गयी।

परिणाम व विवेचन

तालिका 1 लचीली बनाम गैर लचीली अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के विभिन्न मूल्य अंकों में अन्तर दर्शाते मध्यमान, मानक विचलन व टी–अनुपात

क्र0 सं0	मूल्य	लचीली अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थी (N=231)		गैर लचीली अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थी (N=69)		टी– अनुपात
		मध्यमान	मा0 विचलन	मध्यमान	मा0 विचलन	
1.	धार्मिक मूल्य	12.723	2.727	12.739	2.878	.411
2.	सामाजिक मूल्य	11.775	2.921	13.072	2.713	3-449**
3.	लोकतांत्रिक मूल्य	12.922	2.958	12.043	3.146	2.068*
4.	सौन्दर्यात्मक मूल्य	11.351	2.596	11.754	2.226	1-271
5.	आर्थिक मूल्य	11.901	3.282	10.884	1.883	3-246**
6.	ज्ञानात्मक मूल्य	11.931	3.291	12.855	3.418	1-905
7.	सुखात्मक मूल्य	12.190	2.817	11.391	2.457	2-302*
8.	प्रभुत्व मूल्य	11.130	2.378	11.507	2.633	1-065
9.	पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य	12.671	2.565	12.145	3.006	1-318
10.	स्वास्थ्य मूल्य	10.818	3.248	11.493	2.929	1-638

**/* .01 / .05 स्तर पर सार्थक

तालिका–1 से ज्ञात होता है कि लचीली अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, सौंदर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अंकों के मध्यमान क्रमशः 12.723, 11. 775, 12.922, 11.351, 11.901, 11.931, 12.190, 11.130, 12.671 व 10.818 हैं। गैर लचीली अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अंकों के मध्यमान क्रमशः 12.739, 12.072, 12.043, 11.754, 10.884, 12.885, 11.391, 11.507, 12.145 व 11.493 हैं। सामाजिक व आर्थिक मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात 3.449 व 3.246 (df=298) .01 स्तर पर एवं लोकतांत्रिक व सुखात्मक मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात 2.068 व 2.302 (df=298) .05 स्तर पर सार्थक हैं। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि लचीली व गैर लचीली अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के सामाजिक, लोकतांत्रिक, आर्थिक एवं सुखात्मक मूल्य में सार्थक अन्तर होता है। गैर लचीली अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों की तुलना में लचीली अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों में सामाजिक मूल्य कम होते हैं जबकि गैर लचीली अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों की तुलना में लचीली अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक, आर्थिक व सुखात्मक मूल्य अधिक होते हैं। लचीली व गैर लचीली दोनों अधिगम शैली समूहों वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सौन्दर्यात्मक, ज्ञानात्मक, प्रभुत्व पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात क्रमशः .411, 1.271, 1.905, 1.065, 1.318 व 1.638 (df=298) .05 स्तर पर सार्थक नही हैं। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि लचीली अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सौन्दर्यात्मक, ज्ञानात्मक, प्रभुत्व, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य गैर लचीली अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों से भिन्न नहीं हैं।

तालिका 2 वैयक्तिक बनाम अवैयक्तिक अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के विभिन्न मूल्य अंकों में अन्तर दर्शाते मध्यमान, मानक विचलन व टी–अनुपात

क्र0 सं0	मूल्य	वैयक्तिक अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थी (N=151)		अवैयक्तिक अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थी (N=149)		टी– अनुपात
		मध्यमान	मा0 विचलन	मध्यमान	मा0 विचलन	
1.	धार्मिक मूल्य	12.543	2.907	12.913	2.594	1.163
2.	सामाजिक मूल्य	11.881	2.566	12.268	3.240	-253
3.	लोकतांत्रिक मूल्य	12.464	2.534	12.980	3.432	1.482
4.	सौन्दर्यात्मक मूल्य	10.848	2.383	12.047	2.516	4-236**
5.	आर्थिक मूल्य	11.815	2.442	11.517	3.556	-846
6.	ज्ञानात्मक मूल्य	12.093	3.459	12.195	3.221	-264
7.	सुखात्मक मूल्य	12.450	2.553	11.557	2.886	2-843**
8.	प्रभुत्व मूल्य	11.550	2.323	10.879	2.515	2-405*
9.	पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य	12.450	2.410	12.651	2.927	-650
10.	स्वास्थ्य मूल्य	11.384	3.241	10.557	3.083	2-265*

**/* -01/-05 स्तर पर सार्थक

तालिका–2 से ज्ञात होता है कि वैयक्तिक अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अकों के मध्यमान क्रमशः 12.543, 11. 881, 12.464, 10.848, 11.815, 12.093, 12.450, 11.550, 12.450 व 11.384 हैं। अवैयक्तिक अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अंको के मध्यमान क्रमशः 12.913, 12.268, 12.980, 12.047, 11.517, 12.195, 11.557, 10.879, 12.651 व 10.557 हैं। सौन्दर्यात्मक व सुखात्मक मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात 4.236 व 2. 843 (df=298) .01 स्तर पर एवं प्रभुत्व व स्वास्थ्य मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात 2.405 व 2.265 (df=298) .05 स्तर पर सार्थक है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि वैयक्तिक व अवैयक्तिक अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व एवं स्वास्थ्य मूल्य में सार्थक अन्तर होता है। अवैयक्तिक अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों की तुलना में वैयक्तिक अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों में सौन्दर्यात्मक मूल्य कम होते हैं। जबकि सुखात्मक, प्रभुत्व व स्वास्थ्य मूल्य अधिक होते हैं। वैयक्तिक एवं अवैयक्तिक दोनों अधिगम शैली समूहों वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, आर्थिक, ज्ञानात्मक व पारि0 प्रतिष्ठा मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात क्रमशः (1.163, .253, 1.482, .846, . 264 व .650) .05 स्तर पर सार्थक नही हैं। वैयक्तिक अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, आर्थिक, ज्ञानात्मक व पारि0 प्रतिष्ठा मूल्य अवैयक्तिक अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों से भिन्न नहीं हैं।

तालिका 3 दृश्य बनाम श्रव्य अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के विभिन्न मूल्य अंकों में अन्तर दर्शाते मध्यमान मानक विचलन व टी–अनुपात

क्र0 सं0	मूल्य	दृश्य अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थी (N=243)		श्रव्य अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थी (N=57)		टी– अनुपात
		मध्यमान	मा0 विचलन	मध्यमान	मा0 विचलन	
1.	धार्मिक मूल्य	12.811	2.899	12.397	2.026	1.273
2.	सामाजिक मूल्य	12.123	3.079	11.759	2.250	1-016
3.	लोकतांत्रिक मूल्य	12.949	2.899	11.845	3.386	2-276*
4.	सौन्दर्यात्मक मूल्य	11.395	2.571	11.690	2.288	-857
5.	आर्थिक मूल्य	11.753	3.219	11.345	2.148	1-162
6.	ज्ञानात्मक मूल्य	11.741	3.169	13.879	3.490	4-242**
7.	सुखात्मक मूल्य	11.996	2.594	12.052	3.353	-118
8.	प्रभुत्व मूल्य	11.296	2.392	10.845	2.614	1-193
9.	पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य	12.630	2.776	12.207	2.174	1-251
10.	स्वास्थ्य मूल्य	11.053	3.169	10.569	3.267	1-012

**/* -01/-05 स्तर पर सार्थक

तालिका–3 से ज्ञात होता है कि दृश्य अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अकों के मध्यमान क्रमशः 12.811, 12. 123, 12.949, 11.395, 11.753, 11.741, 11.996, 11.296, 12.630 व 11.053 हैं। श्रव्य अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अंको के मध्यमान क्रमशः 12.397, 11.759, 11.845, 11.690, 11. 345, 13.879, 12.052, 10.845, 12.207 व 10.569 हैं। लोकतांत्रिक मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात 2.276 (df=298) .05 व ज्ञानात्मक मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात 4.242 (df=298) .01 स्तर पर सार्थक है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि दृश्य व श्रव्य अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के लोकतांत्रिक एवं ज्ञानात्मक मूल्य में सार्थक अन्तर होता है। दृश्य अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों की तुलना में श्रव्य अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्य कम होते हैं जबकि दृश्य अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों की तुलना में श्रव्य अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों में ज्ञानात्मक मूल्य अधिक होते हैं। दृश्य व श्रव्य अधिगम शैली समूहों वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारि0 प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य पर

प्राप्त टी–अनुपात क्रमशः (1.271, 1.016, .857, 1.162, .118, 1. 193, 1.251 व 1.012) .05 स्तर पर सार्थक नहीं हैं। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि दृश्य अधिगम शैली को वरीयता देने वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारि0 प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य श्रव्य अधिगम शैली को वरीयता देने वाले जनजातीय विद्यार्थियों से भिन्न नहीं हैं।

तालिका 4 क्षेत्र अनाश्रित बनाम क्षेत्र आश्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के विभिन्न मूल्य अंकों में अन्तर दर्शाते मध्यमान मानक विचलन व टी–अनुपात

क्र0 सं0	मूल्य	क्षेत्र अनाश्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थी (N=169)		क्षेत्र आश्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थी (N=131)		टी– अनुपात
		मध्यमान	मा0 विचलन	मध्यमान	मा0 विचलन	
1.	धार्मिक मूल्य	13.237	2.489	12.069	2.951	3ण्638''
2.	सामाजिक मूल्य	12.527	3.092	11.489	2.582	3.174''
3.	लोकतांत्रिक मूल्य	12.775	3.139	12.649	2.869	.366
4.	सौन्दर्यात्मक मूल्य	11.254	2.368	11.687	2.689	1.457
5.	आर्थिक मूल्य	11.621	2.909	11.725	3.223	.289
6.	ज्ञानात्मक मूल्य	12.414	3.263	11.794	3.412	1.593
7.	सुखात्मक मूल्य	11.627	2.567	12.496	2.920	2.698''
8.	प्रभुत्व मूल्य	10.953	2.149	11.557	2.740	2.08'
9.	पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य	10.970	2.470	13.298	2.756	4.339''
10.	स्वास्थ्य मूल्य	10.781	3.017	11.221	3.386	1.170

**/* -01/-05 स्तर पर सार्थक

तालिका–4 से ज्ञात होता है कि क्षेत्र अनाश्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अकों के मध्यमान क्रमशः 13.237, 12. 527, 12.775, 11.254, 11.621, 12.414, 11.627, 10.953, 10.970 व 10.781 हैं। क्षेत्र आश्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अंको के मध्यमान क्रमशः 12.069, 11.489, 12.649, 11.687, 11.725, 11.794, 12.496, 11.557, 13.298 व 11.221 हैं। धार्मिक, सामाजिक, सुखात्मक व पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात 3.638, 3.174, 2.698 व 4.339 (df=298) .01 स्तर पर व प्रभुत्व मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात 2.08 (df=298) .05 स्तर सार्थक हैं। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि क्षेत्र अनाश्रित व क्षेत्र आश्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, सुखात्मक, प्रभुत्व एवं स्वास्थ्य मूल्य में सार्थक अन्तर होता है। क्षेत्र आश्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों की तुलना में क्षेत्र अनाश्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक व सामाजिक मूल्य अधिक होते हैं जबकि क्षेत्र अनाश्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों की तुलना में क्षेत्र आश्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों में सुखात्मक, प्रभुत्व व पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य अधिक होते हैं। क्षेत्र अनाश्रित व क्षेत्र आश्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक व स्वास्थ्य मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात क्रमशः (.366, 1. 457, .289, 1.593 व 1.170) .05 स्तर सार्थक नहीं हैं। क्षेत्र अनाश्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक व स्वास्थ्य मूल्य क्षेत्र आश्रित अधिगम शैली को वरीयता देने वाले जनजातीय विद्यार्थियों से भिन्न नहीं हैं।

तालिका 5 लघु अवधान बनाम दीर्घ अवधान अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के विभिन्न मूल्य अंकों में अन्तर दर्शाते मध्यमान, मानक विचलन व टी–अनुपात

क्र0 सं0	मूल्य	लघु अवधान अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थी (N=164)		दीर्घ अवधान अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थी (N=136)		टी– अनुपात
		मध्यमान	मा0 विचलन	मध्यमान	मा0 विचलन	
1.	धार्मिक मूल्य	12.494	2.676	13.007	2.838	1.608
2.	सामाजिक मूल्य	12.378	2.840	11.706	2.987	2-287*
3.	लोकतांत्रिक मूल्य	12.463	3.320	13.029	2.590	1.664
4.	सौन्दर्यात्मक मूल्य	11.274	2.601	11.647	2.408	1-295
5.	आर्थिक मूल्य	11.677	3.286	11.654	2.739	-066
6.	ज्ञानात्मक मूल्य	13.00	2.908	11.110	3.535	5-026**
7.	सुखात्मक मूल्य	11.799	2.827	12.257	2.654	1-458
8.	प्रभुत्व मूल्य	11.305	2.443	11.110	2.439	-693
9.	पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य	12.707	2.675	12.360	2.677	1-126
10.	स्वास्थ्य मूल्य	10.323	3.170	11.757	3.034	4-016**

**/* -01/-05 स्तर पर सार्थक

तालिका–5 से ज्ञात होता है कि लघु अवधान अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अकों के मध्यमान क्रमशः 12.494, 12. 378, 12.463, 11.274, 11.677, 13.00, 11.799, 11.305, 12.707 व 10.323 हैं। दीर्घ अवधान अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारिवारिक प्रतिष्ठा व

स्वास्थ्य मूल्य अंको के मध्यमान क्रमशः 13.007, 11.706, 13.029, 11.647, 11.654, 11.110, 12.257, 11.110, 12.360 व 11.757 हैं। सामाजिक मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात 2.287, (df=298) .05 स्तर पर एवं ज्ञानात्मक व स्वास्थ्य मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात 5.026 व 4.016 (df=298) .01 स्तर पर सार्थक हैं। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि लघु अवधान व दीर्घ अवधान अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के सामाजिक, ज्ञानात्मक एवं स्वास्थ्य मूल्य में सार्थक अंतर होता है। दीर्घ अवधान अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों की तुलना में लघु अवधान अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों में सामाजिक व ज्ञानात्मक मूल्य अधिक पाये जाते हैं जबकि लघु अवधान अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों की तुलना में दीर्घ अवधान अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों में स्वास्थ्य मूल्य अधिक होते हैं। धार्मिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, सुखात्मक, प्रभुत्व व पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात क्रमशः 1.608, 1. 664, 1.295, .066, 1.458, .693 व 1.126 (df=298) .05 स्तर पर सार्थक नहीं हैं। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि लघु अवधान अधिगम शैली को वरीयता देने वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, सुखात्मक, प्रभुत्व एवं पारि0 प्रतिष्ठा मूल्य दीर्घ अवधान अधिगम शैली को वरीयता देने वाले जनजातीय विद्यार्थियों से भिन्न नहीं हैं।

तालिका 6 अभिप्रेरणा केन्द्रित बनाम अभिप्रेरणा अकेन्द्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के विभिन्न मूल्य अंकों में अन्तर दर्शाते मध्यमान, मानक विचलन व टी–अनुपात

क्र0 सं0	मूल्य	अभिप्रेरणा केन्द्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थी (N=236)		अभिप्रेरणा अकेन्द्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थी (N=64)		टी– अनुपात
		मध्यमान	मा0 विचलन	मध्यमान	मा0 विचलन	
1.	धार्मिक मूल्य	12.725	2.736	12.734	2.858	.022
2.	सामाजिक मूल्य	11.928	3.084	12.609	2.157	2-038*
3.	लोकतांत्रिक मूल्य	12.945	2.836	11.891	3.519	2.214*
4.	सौन्दर्यात्मक मूल्य	11.373	2.708	11.703	1.630	1-231
5.	आर्थिक मूल्य	11.686	3.014	11.594	3.181	-210
6.	ज्ञानात्मक मूल्य	12.216	3.442	11.875	2.930	-796
7.	सुखात्मक मूल्य	12.212	2.756	11.250	2.637	2-572*
8.	प्रभुत्व मूल्य	11.343	2.435	10.750	2.417	1-744
9.	पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य	12.250	2.572	13.656	2.784	3-642**
10.	स्वास्थ्य मूल्य	10.801	3.273	11.609	2.770	2-000*

**/* -01/-05 स्तर पर सार्थक

तालिका–6 से ज्ञात होता है कि अभिप्रेरणा केन्द्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अंको के मध्यमान क्रमशः 12.725, 11. 928, 12.945, 11.373, 11.686, 12.216, 12.212, 11.343, 12.250 व 10.801 हैं। अभिप्रेरणा अकेन्द्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अंको के मध्यमान क्रमशः 12.734, 12.609, 11.891, 11.703, 11.594, 11.875, 11.250, 10.750, 13.656 व 11.609 हैं। सामाजिक, लोकतांत्रिक, सुखात्मक व स्वास्थ्य मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात क्रमशः 2.038, 2.214, 2.572 व 2.00 (df=298) .05 स्तर पर एवं पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात 3. 642 (df=298) .01 स्तर पर सार्थक हैं। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि अभिप्रेरणा केन्द्रित व अभिप्रेरणा अकेन्द्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के सामाजिक, लोकतांत्रिक, सुखात्मक, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य में सार्थक अन्तर होता है। अभिप्रेरणा केन्द्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों की तुलना में अभिप्रेरणा अकेन्द्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के लोकतांत्रिक व सुखात्मक मूल्य कम होते हैं जबकि अभिप्रेरणा केन्द्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों की तुलना में अभिप्रेरणा अकेन्द्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के सामाजिक, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अधिक होते हैं। धार्मिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक व प्रभुत्व मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात क्रमशः 0. 22, 1.231, .210, .796, 1.744 (df=298) .05 स्तर पर सार्थक नहीं हैं। अभिप्रेरणा केन्द्रित अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक व प्रभुत्व मूल्य अभिप्रेरणा अकेन्द्रित अधिगम शैली को वरीयता देने वाले जनजातीय विद्यार्थियों से भिन्न नहीं हैं।

तालिका 7 परिवेश उन्मुख बनाम परिवेश स्वतंत्र अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के विभिन्न मूल्य अंकों में अन्तर दर्शाते मध्यमान, मानक विचलन व टी–अनुपात

क्र0 सं0	मूल्य	परिवेश उन्मुख अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थी (N=194)		परिवेश स्वतंत्र अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थी (N=106)		टी– अनुपात
		मध्यमान	मा0 विचलन	मध्यमान	मा0 विचलन	
1.	धार्मिक मूल्य	12.719	2.663	12.613	2.933	.309
2.	सामाजिक मूल्य	12.216	3.026	11.811	2.715	1-191
3.	लोकतांत्रिक मूल्य	12.546	3.103	13.038	2.848	1.393
4.	सौन्दर्यात्मक मूल्य	11.216	2.802	11.858	1.833	2-413*
5.	आर्थिक मूल्य	11.876	3.184	11.283	2.746	1-694
6.	ज्ञानात्मक मूल्य	12.273	3.454	11.906	3.115	-943
7.	सुखात्मक मूल्य	11.809	2.839	12.368	2.568	1-746
8.	प्रभुत्व मूल्य	11.139	2.501	11.358	2.327	-760
9.	पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य	12.835	2.692	12.028	2.580	2-570*

10.	स्वास्थ्य मूल्य	10.985	3.355	10.953	2.863	-087

* -05 स्तर पर सार्थक

तालिका–7 से ज्ञात होता है कि परिवेश उन्मुख अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अंकों के मध्यमान क्रमशः 12.719, 12. 216, 12.546, 11.216, 11.876, 12.273, 11.809, 11.139, 12.835 व 10.985 हैं। परिवेश स्वतंन्त्र अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व, पारिवारिक प्रतिष्ठा व स्वास्थ्य मूल्य अंको के मध्यमान क्रमशः 12.613, 11.811, 13.038, 11.858, 11.283, 11.906, 12.368, 11.358, 12.028 व 10.953 हैं। सौन्दर्यात्मक व पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात 2. 413 व 2.570 (df=298) .05 स्तर पर सार्थक हैं। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि परिवेश उन्मुख व परिवेश स्वतंत्र अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक एवं पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य में सार्थक अन्तर होता है। परिवेश उन्मुख अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों की तुलना में परिवेश स्वतंत्र अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों में सौन्दर्यात्मक मूल्य अधिक होते हैं जबकि परिवेश स्वतंत्र अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों की तुलना में परिवेश उन्मुख अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों में पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य अधिक होते हैं। धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व व स्वास्थ्य मूल्य पर प्राप्त टी–अनुपात क्रमशः . 309, 1.191, 1.393, 1.694, .943, 1.746, .760 व .087 (df=298) .05 स्तर पर सार्थक नहीं हैं। परिवेश उन्मुख अधिगम शैली वाले जनजातीय विद्यार्थियों के धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखात्मक, प्रभुत्व व स्वास्थ्य मूल्य परिवेश स्वतंत्र अधिगम शैली को वरीयता देने वाले जनजातीय विद्यार्थियों से भिन्न नहीं हैं।

संदर्भ

1. अग्रवाल, एस.सी. (1987), लर्निंग स्टाइल्स एमंग क्रिएटिव स्टूडेण्ट्स, सेन्ट्रल पब्लिशिंग हाउस, इलाहाबाद
2. पाण्डेय, आर0एस0 व मिश्र, के0एस0 (2005), मूल्य–शिक्षण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. पाण्डेय, आर0के0 (2005), शिक्षा के प्रति अधिक अनुकूल अभिवृत्ति वाले जनजातीय विद्यार्थियों के मूल्य, जर्नल ऑफ एजूकेशनल स्टडीज, 3 (1)
4. जेकब, आर0आर0 (1980), द सोशल विहेवियर ऑफ फील्ड इन्डिपेंडेन्ट एण्ड फील्ड डिपेंडेन्ट स्टूडेण्ट्स इन अ पर्सनलाइज्ड सिस्टम ऑफ इन्सट्रक्शन कोर्स, डिजर्टेशन एब्सट्रैक्ट्स इण्टरनेशनल, ए 41, 9, 3845
5. लेसा, आर0एफ0 (1981), लर्निंग स्टाइल्स ऑफ समोआ स्टूडेण्ट्स, डिजर्टेशन एब्सट्रैक्ट्स इण्टर नेशनल, ए–42, 3, 986
6. स्टेवार्ट, बी0डी0 (1979), लर्निंग स्टाइल्स एमंग गिफ्टेड/टैलेण्टेड स्टूडेण्ट्स, रिफरेंसेस ऑफ इन्सट्रक्शनल टेक्नीक्स, एब्सट्रैक्ट्स इण्टरनेशनल, ए–40, 7, 4503